News सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-77
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

आज का विचार

एक ही बात सीखता हूँ मैं रंगों से निखरना है तो बिखरना जरूरी है।

बिहार सिटी चीफ

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

बिहार, शनिवार, 22 जून 2024

अभय कुशवाहा होंगे लोकसभा में आरजेडी संसदीय दल के नेता

फैयाज अहमद को भी मिली बड़ी जिम्मेदारी

राष्ट्रीय जनता दल की दो दिवसीय समीक्षा बैठक का आज दूसरा दिन है. आज की बैठक से पहले पार्टी के सभी सांसदों की बैठक हुई. इस बैठक में अहम फैसला लिया गया. लोकसभा में संसदीय दल के नेता और राज्यसभा में मुख्य सचेतक के नाम पर मुहर लगी. आरजेडी के मुख्य प्रवक्ता शक्ति सिंह यादव ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए यह जानकारी दी कि पार्टी ने निर्णय लिया है कि अभय कुशवाहा लोकसभा में संसदीय दल के नेता होंगे. राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव एवं तेजस्वी यादव ने यह निर्णय लिया है.राष्ट्रीय जनता दल ने औरंगाबाद के नव निर्वाचित सांसद अभय कुशवाहा को लोकसभा में राष्ट्रीय जनता दल संसदीय दल का नेता घोषित किया

है. 2024 लोकसभा चुनाव में अभय कुशवाहा ने बीजेपी के सांसद रहे सुशील सिंह को पराजित किया था. अभय कुशवाहा कोइरी समाज से आते हैं और इस बार महागठबंधन ने कुशवाहा समाज पर अपना राजनीतिक दाव खेला था. आठ कुशवाहा प्रत्याशी को लोकसभा में टिकट दिया गया था.लोकसभा में पार्टी की तरफ से मुख्य सचेतक के पद पर सुरेंद्र प्रसाद यादव को नियुक्त किया गया है. सुरेंद्र यादव जहानाबाद से लोकसभा के सांसद चुने गए हैं. सुरेंद्र यादव पहले भी जहानाबाद से लोकसभा के सांसद रह चुके हैं. वे सात बार बेलागंज विधानसभा क्षेत्र के विधायक भी रह चुके हैं.राष्ट्रीय जनता दल ने राज्यसभा में मुख्य सचेतक मीसा भारती की जगह फैयाज अहमद को बनाया है, जो राज्यसभा के सांसद हैं. फैयाज अहमद मुख्य रूप से मधुबनी जिला के रहने वाले हैं. वे मधुबनी जिले के बिस्फी विधानसभा क्षेत्र से पहले जदयू और फिर बाद में राजद के विधायक रह चुके हैं. मीसा भारती के लोकसभा चुनाव जीतने के कारण मीसा भारती राज्यसभा से इस्तीफा देंगी. उन्हीं की जगह पर फैयाज अहमद को राज्यसभा में पार्टी का मुख्य सचेतक बनाने का निर्णय लिया गया है.

बिहार पहुंचा मानसून

5 जिलों में मूसलाधार बारिश की चेतावनी, किसान रहें सावधान

चन्दन कुमार चौबे । सिटी चीफ

पटना– भीषण गर्मी की मार झेल रहे बिहार के लोगों के लिए राहत की खबर सामने आई है। बिहार में मानसून ने दस्तक दे दी है। इस मानसून के आने से बिहार के कई जिलों में गुरुवार को झमाझम बारिश हुई। वहीं आज भी 5 जिलों में भारी बारिश की चेतावनी दी गई है। पूर्वी चंपारण, पश्चिमी चंपारण, सीतामढ़ी, मधुबनी, सारण जिले में भारी वर्षा की संभावना है। वहीं, मानसून का प्रभाव प्रदेश में बनते ही पटना सहित 30 जिलों के तापमान में गिरावट आने के साथ लोगों को भीषण गर्मी व लू से

राहत मिली है। इसके प्रभाव से तीव्र वज्रपात एवं आंधी-पानी की अनुकूल परिस्थिति जिलों में बने रहने की संभावना है। शुक्रवार को पटना सहित अधिसंख्य भागों में बादल छाए रहने के साथ कुछ स्थानों पर मेघ गर्जन व छिटपुट वर्षा के आसार है।

बिहार में ट्रेन हादसे की बड़ी साजिश नाकाम

जहानाबाद में 300 से ज्यादा पेंड्रोल क्लिप रेल ट्रैक से निकाले

चन्दन कुमार चौबे । सिटी चीफ

बिहार, 17 जून को पश्चिम बंगाल के न्यू जलपाईगुड़ी में ट्रेन हादसा हुआ। उसके बाद से रेलवे की व्यवस्थाओं पर सवाल उठ रहे हैं। इसी बीच एक और बड़ा मामला सामने आया है। अगर ट्रेन इस रेलवे ट्रैक से गुजरती तो एक और बड़ा हादसा हो सकता था। हालांकि समय रहते इस हादसे को होने से रोक दिया गया। दरअसल दानापुर रेल मंडल के पटना गया रेल खंड के जहानाबाद और नदौल रेलवे स्टेशनों के बीच मुठेर- लोदीपुर के आस-पास हटिया पटना एक्सप्रेस दुर्घटनाग्रस्त हो सकती थी। कुछ असामाजिक तत्वों ने रेलवे ट्रैक के तीन सौ से ज्यादा पेंड्रोल क्लिप

(चाबी) को खोलकर फेंक दिया था। घटना बुधवार की बतायी जाती है। शोर होने पर इसकी सूचना रेल पुलिस, कड़ौना थाना और जहानाबाद रेल पथ निरीक्षक को दी गई। सूचना पाकर रेल पथ निरीक्षक गनोहर प्रसाद के नेतृत्व में रेलवे के कई कामगार मौके पर पहुंचे और खुले हुए सभी पेंडल क्लिप को कसकर दुरुस्त किया।

राज्य के खान निदेशक ने 15 जून से 15 अक्टूबर तक बालू खनन पर रोक लगाने का आदेश जारी किया है

बिहार में अगले चार महीनों के लिए बालू खनन पर रोक

पटना ...बिहार में अगले चार महीनों के लिए बालू खनन पर रोक लगा दी गई है, जिसके कारण लोगों को बालू की कमी का सामना करना पड़ सकता है... बालू की कीमत में वृद्धि और ब्लैक मार्केटिंग की संभावना भी बढ़ सकती है...सरकार ने बालू माफिया पर लगाम लगाने के लिए सभी जिलों के एसपी को पत्र लिखा है और सख्त निर्देश दिए हैं... यह कदम नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) के आदेश पर मानसून को देखते हुए उठाया गया है...

आदेश का अमल हो...राज्य के खान निदेशक ने 15 जून से 15 अक्टूबर तक बालू खनन पर रोक लगाने का आदेश जारी किया है और सभी जिलों के एसपी को सख्त निर्देश दिए हैं... आदेश में स्पष्ट किया गया है कि किसी भी बालू घाट से खनन या उठाव नहीं होना चाहिए...एनजीटी ने यह निर्णय मानसून को देखते हुए लिया है ताकि पर्यावरण को नुकसान न हो...

बालू की ब्लैक मार्केटिंग रोकने के निर्देश...एसपी को दिए गए आदेश में कहा गया है कि बालू की ब्लैक मार्केटिंग न हो और इसकी कीमत में वृद्धि न हो, इस पर भी ध्यान रखा जाए... बालू विक्रेता और स्टॉकिस्ट अपना स्टॉक बढ़ाने में लगे हुए हैं, लेकिन उन्हें यह

सुनिश्चित करना होगा कि बालू की उपलब्धता बाजार में उचित दर पर बनी रहे... जिला प्रशासन को भी निर्देश दिया गया है कि सरकारी निर्माण कार्यों के लिए बालू की समुचित मात्रा और उचित कीमत पर उपलब्धता सुनिश्चित की जाए...

बालू माफिया का हमला...

इस बीच...बिहार के बेतिया से बालू माफिया के गुर्गों द्वारा पुलिस टीम पर हमले की खबर आई है... पुलिस को जानकारी मिली थी कि ट्रैक्टर से बालू की अवैध ढुलाई हो रही है... पुलिस ने पीछा करते हुए एक आरोपी को हिरासत में ले लिया, लेकिन माफिया के गुर्गों ने पुलिस टीम पर हमला कर दिया...हमले में एक दरोगा की दो उंगलियां तलवार से काट दी गईं, जिनका इलाज निजी अस्पताल में चल रहा है...

फिर से पुल हादसा, सीवान में नहर पर बना ब्रिज भरभरा कर गिरा

बिहार में फिर से पुल हादसा हुआ है। चार दिन के अंदर दूसरा पुल भरभरा कर गिर गया। सीवान के महाराजगंज अनुमंडल के पटेढ़ा और गरौली गांव के बीच गंडक नहर पर गिर गया। दरअसल शनिवार सुबह अचानक पुल का एक पाया धंसने लगा। देखते ही पुल नहर में समा गया। हादसे के बाद दो गांव के बीच आवागमन बाधित हो गया है। इलाके में हड़कंप मच गया। लोग पुल के निर्माण कार्य पर सवाल उठा रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि 29 साल पहले बिहार सरकार ने इस पुल का निर्माण करवाया। कुछ दिन पहले ही विभाग नहर की सफाई करवाई गई थी। साथ ही नहर की मिट्टी काटकर नहर के बांध पर फेंक दी गई थी। ग्रामीणों का दावा है कि इसी कारण पुल का पाया कमजोर हो गया। आज पाया टूट गया, जिससे पुल नहर में गिर गया।

घटना के बाद प्रशासन ने जांच टीम का गठन किया है।

18 जून को बकरा नदी पर बना पुल गिरा था

बता दें कि 18 जून को अररिया जिले सिकटी प्रखंड में बकरा नदी पर बना पुल उद्घाटन से पहले ही पुल ध्वस्त हो गया था। 182 मीटर का पुल कुल तीन हिस्सों में बना था। दो पाए के साथ दो हिस्सा नदी में समा गया। प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क निर्माण योजना के तहत बने इस पुल की लागत 7.79 करोड़ रुपये थी। 182 मीटर लंबे इस पुल का निर्माण 2021 में शुरू हुआ था। शुरुआती दौर में यह 7 करोड़ 80 लाख की लागत का था, लेकिन बाद में नदी की धारा बदलने और एप्रोच सड़क को लेकर कुल 12 करोड़ की लागत का हो गया था।

पटना में उत्कर्ष फाइनांस बैंक में दिनदहाड़े लूट

कर्मचारियों को लॉकर रूम में किया बंद फिर वारदात को दिया अंजाम

चन्दन कुमार चौबे । सिटी चीफ

पटना, अपराधियों का दुस्साहस किस कदर बढ़ता जा रहा है ये देखने को मिला पटना–गया स्टेट हाई–वे पर, जहां अपराधियों ने दिनदहाड़े धावा बोलकर उत्कर्ष स्मॉल फाइनांस बैंक से लाखों रुपये लूट लिए, घटना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर अपराधियों की तलाश में जुट गई है.जानकारी के मुताबिक दिन के करीब डेढ़ बजे थे. बैंक के कर्मचारी लंच की तैयारी कर रहे थे कि पांच नकाबपोश अपराधी हाथों में हथियार लिए, बैंक में आ धमके. अपराधियों ने पिस्टल दिखाकर पहले बैंक मैनेजर को अपने कब्जे में लिया और फिर बैंक के कर्मचारियों को लॉकर रूम में बंद कर दिया.इस दौरान एक कर्मचारी ने लूट का विरोध करने की कोशिश की तो अपराधियों ने उसके साथ मारपीट भी की. इस घटना के बाद सभी लोग पूरी तरह सहम गये और फिर अपराधियों ने ग्राहकों से कलेक्शन कर लाई गई लाखों की रकम लूट कर आराम से फरार हो गये.लूट की घटना की खबर मिलते ही डीएसपी कन्हैया कुमार पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और लोगों से लूट के बारे में जानकारी ली. पुलिस ने बैंक में लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज को खंगाला और उसके आधार पर मामले की जांच में जुट गयी.

रणक्षेत्र बना मंडलकारा, दो बंदियों के बीच जम कर मारपीट

एक कैदी की हालत गंभीर, सदर अस्पताल ने हायर सेंटर किया रेफर

चन्दन कुमार चौबे । सिटी चीफ

मुंगेर, मंडल कारा में वर्ष 2021 से हत्या के मामले में बंद कैदी 30 वर्षीय धीरज कुमार को भोजनकाल के समय जेल वार्ड में बंद दूसरे कैदी कपिलदेव मंडल ने ईट से कूच–कूच कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। जब तक गार्ड के द्वारा वार्ड को खोल मामला शांत करवाया जाता तब तक सर पे ईंट से लगातार प्रहार से धीरज गंभीर रूप से घायल हो गए. वहीं वार्ड के जमीन में बेहोश हो गिर पड़ा । जिसके बाद कैदी को आनन–फानन में इलाज के लिए सदर अस्पताल लाया गया। जिसकी स्थिति काफी गंभीर थी। कैदी के सर पर गंभीर जख्म थे, कान से ब्लड निकल रहा था जबकि मुंह से पेट का मलवा बाहर आ रहा था। कैदी की नाजुक स्थिति को देखते हुए चिकित्सक ने हायर सेंटर रेफर करने की बात कही।

जेल अधीक्षक किरण निधि और जेलर सोहन कुमार भी सदर अस्पताल पहुंचे और गंभीर रूप से घायल कैदी को जल्द हायर सेंटर रेफर करने का आग्रह किया। तत्पश्चात डीएम के आदेश पर सिविल सर्जन ने तीन सदस्यीय चिकित्सकों की मेडिकल टीम का गठन किया। जेल प्रशासन ने बताया कि घायल कैदी धीरज और उसके दो चचेरे भाई कपिलदेव मंडल और मिठू कुमार कासिम बाजार के निवासी हैं। कासिम बाजार थाना के हत्या के एक

केस में तीनों चचेरे भाई वर्ष 2021 से जेल में बंद हैं। इन लोगों के बीच किसी तरह का पारिवारिक विवाद पहले से चल रहा था। धीरज कुमार मंडल कारा के सेल नंबर 05 में बंद था जबकि कपिलदेव मंडल सेल नंबर 9 में बंद था।

भोजन काल के बाद धीरज सेल नंबर 9 में चला गया जहां कपिलदेव और धीरज के बीच मारपीट हुई। मारपीट के दौरान कपिलदेव ने ईंटा से धीरज पर प्रहार कर घायल कर दिया।

घटना के बाद जेल में पगली घंटी बजने से कुछ देर के लिय माहौल में अफरा तफरी मचा रहा ।